Qus. Comment upon the factors responsible for the collapse of the Soviet communism

प्रश्न: सोवियत साम्यवाद के पतन के लिए उत्तरदायी कारकों पर टिप्पणी कीजिए ।

Ans:

I. Economic Weakness: The Weakness of the economy was the major cause of dissatisfaction among the people in the USSR. There was severe shortage of consumer items. The reasons for economic weakness were the following.

उत्तर:

I.आर्थिक कमज़ोरी: सोवियत संघ में लोगों के असंतोष का प्रमुख कारण अर्थव्यवस्था की कमज़ोरी थी। उपभोक्ता वस्तुओं की भारी कमी थी। आर्थिक कमज़ोरी के कारण निम्नलिखित थे:

The reasons for economic weakness were the following.

(1) Huge military spending

2) Maintenance of satellite states in Eastern Europe

(3) Maintenance of the central Asian republics within the USSR.

आर्थिक कमज़ोरी के कारण निम्नलिखित थे:

(1) भारी सैन्य खर्च

2) पूर्वी यूरोप में सेटलाइट राज्यों का रखरखाव

(3) सोवियत संघ के भीतर मध्य एशियाई गणराज्यों का रखरखाव।

(II) Political un- accountability

The communist party Regime (single Party rule) for around 70 years had turned Authoritarian, There was widespread corruption,nepotism and lack of transparency.

(II) राजनीतिक गैर-जवाबदेही

लगभग 70 वर्षों तक चली कम्युनिस्ट पार्टी की व्यवस्था (एकल दलीय शासन) सत्तावादी हो गई थी। व्यापक भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पारदर्शिता का अभाव था।

Gorbachev's decision to allow elections with a multi-party system and creation of a presidency for the Soviet union initiated a slow process of democratisation that eventually destabilised the communist control and contributed to the collapse of the Soviet union.

गोर्बाचेव द्वारा बहुदलीय प्रणाली के साथ चुनाव की अनुमति देने और सोवियत संघ के लिए एक राष्ट्रपति पद के निर्माण के निर्णय ने लोकतंत्रीकरण की एक धीमी प्रक्रिया शुरू की। जिसने अंततः साम्यवादी नियंत्रण को अस्थिर कर दिया और सोवियत संघ के पतन में योगदान दिया।

III) Gorbachev's Reforms: Perestroika & Glasnost:- Under Gorbachev's plan for perestroika the Soviet union would began to move towards a hybrid communism- capitalist system much like modern China.

(III) गोर्बाचेव के सुधार: पेरेस्त्रोइका और ग्लासनोस्त:-

गोर्बाचेव की पेरेस्त्रोइका योजना के तहत सोवियत संघ आधुनिक चीन की तरह एक संकर साम्यवाद-पूंजीवादी व्यवस्था की ओर बढ़ना शुरू कर दिया ।

The politbeuro and the central planning Committee would still exert influence over the direction of the economy: however, the government would allow market forces to dictate some production and development decisions.

पोलित ब्यूरो और केंद्रीय योजना समिति अभी भी अर्थव्यवस्था की दिशा पर प्रभाव डालती रही: हालाँकि, सरकार बाजार की ताकतों को कुछ उत्पादन और विकास संबंधी निर्णय लेने के लिए मजबूर किया गया।

The changes to the economy were coupled with a reorganisation of the party elite that would bring younger voices to the forefront. Eventually, Gorbachev envisioned a democratically elected communist Party for the Soviet Union.

अर्थव्यवस्था में बदलावों के साथ-साथ पार्टी के अभिजात वर्ग का पुनर्गठन भी हुआ जिससे युवा आवाज़ें आगे आईं। अंततः, गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के लिए एक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित कम्युनिस्ट पार्टी की कल्पना की।

The second part of Gorbachev plan, Glasnost, Addressed the personal restrictions of the Soviet people.

गोर्बाचेव योजना का दूसरा भाग, ग्लासनोस्त, सोवियत लोगों की व्यक्तिगत सीमाओं को निर्धारित करता था

For decades, citizens loved without freedom of speech, the press, or religion and the state arrested millions of potential dissidents Gorbachev's Glasnost plan gave the Soviet people a voice. They were free to express.

दशकों तक, नागरिक अभिव्यक्ति, प्रेस या धर्म की स्वतंत्रता के बिना प्यार करते रहे और राज्य ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।लाखों संभावित असंतुष्टों के लिए गोर्बाचेव की ग्लासनोस्ट योजना ने सोवियत जनता को आवाज़ दी। वे अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र थे।

Gorbachev's reforms did more to hasten the fall of the Soviet Union than they did to save it. By loosening control over the people and making reforms to the political and economic elites,

गोर्बाचेव के सुधारों ने सोवियत संघ को बचाने की बजाय उसके पतन को तेज़ करने में ज़्यादा योगदान दिया। जनता पर नियंत्रण कम करके और राजनीतिक व आर्थिक अभिजात वर्ग में सुधार लाकर,

the Soviet- government appears weak and vulnerable to the Soviet people. They used their newfound powers to organising and I critique the government, and in 1991, they successfully ended the Soviet rule.

सोवियत सरकार सोवियत जनता के सामने कमज़ोर और असुरक्षित दिखाई देती है। उसने अपनी नई शक्तियों का इस्तेमाल संगठित करने और सरकार की आलोचना करने के लिए किया, और 1991 में, उसने सोवियत शासन का सफलतापूर्वक अंत हुआ।

(IV) Rise of nationalism:- Rise of nationalism among states as Baltic Republic[Estonia, Latvia, Lithuania], Ukraine, Georgia etc, was the most important and immediate Cause of disintegration of the USSR.

(IV) राष्ट्रवाद का उदय: बाल्टिक गणराज्यों [एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया], यूक्रेन, जॉर्जिया आदि राज्यों में राष्ट्रवाद का उदय, सोवियत संघ के विघटन का सबसे महत्वपूर्ण और तात्कालिक कारण था।

The national feeling was the more prosperous areas in USSR, as in central Asian republics. ordinary people among prosperous republics did not like to pay to big Price to uplift the backward centrals Asian republics.

राष्ट्रीय भावना यह थी कि सोवियत संघ के अधिक समृद्ध क्षेत्र, मध्य एशियाई गणराज्यों की तरह, समृद्ध गणराज्यों के आम लोग पिछड़े मध्य एशियाई गणराज्यों के उत्थान के लिए बड़ी कीमत चुकाना पसंद नहीं करते थे।

(V) **Role of the USA:** The Increase in military expenditure by Reagan forced the USSR to increase their military spending which further caused economic crumble.

(V) संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका: रीगन द्वारा सैन्य व्यय में वृद्धि ने यूएसएसआर को अपने सैन्य खर्च को बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिससे आगे चलकर आर्थिक संकट पैदा हो गया।

The support of the Reagan government to Mujahideen in Afghanistan prolonged the USSR battle in Afghanistan causing economic and military hardship.

अफगानिस्तान में मुजाहिद्दीन को रीगन सरकार के समर्थन ने अफगानिस्तान में यूएसएसआर की लड़ाई को लंबा खींच दिया, जिससे आर्थिक और सैन्य कठिनाई पैदा हुई।

CRIMEAN WAR (1054-56)

Crimean war was a Watershed Event in the history of Europe, because it led loose the forces of Liberalism and Nationality .

क्रीमिया युद्ध (1054-56)

क्रीमिया युद्ध यूरोप के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना थी, क्योंकि इसने उदारवाद और राष्ट्रीयता की शक्तियों को जन्म दिया।

- It-ended the status quo policy of Metternich(Austrian leader) and started an era of new achievement and construction. It's first- fruit was the unification of Italy.
- इसने मेटरनिख (ऑस्ट्रियाई नेता) की यथास्थिति नीति को समाप्त कर दिया और नई उपलब्धियों और निर्माण के युग की शुरुआत की। इसका पहला परिणाम इटली का एकीकरण था।

- In Russia, it brought out the need of reforms like openness and thus Shattered the absolutism of the Czar and opened the door of democracy by policies like emancipation of serfs, local self government and Judicial reforms of Alexander-II.
- रूस में, इसने खुलेपन जैसे सुधारों की आवश्यकता को उजागर किया और इस प्रकार ज़ार की निरंकुशता को चकनाचूर कर दिया और दास मुक्ति, स्थानीय स्वशासन और सिकंदर द्वितीय के न्यायिक सुधारों जैसी नीतियों के माध्यम से लोकतंत्र के द्वार खोल दिए।

- Russia came close to Prussia due to betrayal of Austria in the Crimean war. It was the neutrality of Russia in the Prussia-Austrian war that led to the unification of Germany.
- इससे शक्तियों का पुनर्गठन हुआ। क्रीमिया युद्ध में ऑस्ट्रिया के साथ विश्वासघात के कारण रूस प्रशा के करीब आ गया। प्रशा -ऑस्ट्रियाई युद्ध में रूस की तटस्थता ही जर्मनी के एकीकरण का कारण बनी।

- After this war only, the changed policies of Disraeli led to the independence of Balkan States. It led to the regrouping of the powers.
- इस युद्ध के बाद ही, डिज़रायली की बदली हुई नीतियों के कारण बाल्कन राज्यों की स्वतंत्रता हुई। रूसी विस्तार ने एक नया मोड़ लिया।

- Russian expansion took a new turn. Its expansion was checked in the European war and transferred to central Asia, where push forward with giant Strides.
- यूरोपीय युद्ध में इसके विस्तार को रोक दिया गया और मध्य एशिया में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ यह विशाल प्रगति के साथ आगे बढ़ा।

Qus. Out of the mud of Crimea, a new Italy was made and less obviously, a new Germany. comment.

प्रश्न: क्रीमिया के कीचड़ से एक नया इटली बना और स्पष्ट रूप से, एक नया जर्मनी। टिप्पणी करे ।

Ans- Crimean war was the prelude to the most important political development of the 19th century.The Kingdom of Sardinia- piedmont having Joined the allies, was admitted to the peace conference.

उत्तर- क्रीमिया युद्ध 19वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक विकास की प्रस्तावना थी।सार्डिनिया-पीडमोंट मित्र राष्ट्रों में शामिल हो गया और उसे शांति सम्मेलन में शामिल किया गया।

There Cavour, the minister of the Sardinian king opened the Italian Question before the assembled diplomats, enlisted the sympath of Powers, and won over Napoleon III to the cause of Italian Independence. Italy was Liberated and the arrangement with the congress of Viena was upset.

वहाँ, सार्डिनियन राजा के मंत्री कावूर ने एकत्रित राजनयिकों के समक्ष इतालवी प्रश्न उठाया, शक्तियों की सहानुभूति प्राप्त की और नेपोलियन तृतीय को इतालवी स्वतंत्रता के लिए राजी कर लिया। इटली मुक्त हो गया और वियना की कांग्रेस के साथ समझौता टूट गया।

Russo-Prussia friendship and Russian neutrality during Austro-Prussian war was an indirect result of the Crimean war. So it is said that the German Empire that Prussia subsequently built up was largely based upon Russian neutrality.

ऑस्ट्रो- प्रशा युद्ध के दौरान रूस- प्रशा मित्रता और रूसी तटस्थता क्रीमिया युद्ध का एक अप्रत्यक्ष परिणाम थी। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि प्रशा ने जो जर्मन साम्राज्य बनाया वह काफी हद तक रूसी तटस्थता पर आधारित था।

After this war only, the changed policy of Disraeli led to the independence of Balkan States.

Russian expansion took a new turn. Its expansion was checked and transferred to central Asia, where push forward with giant Strides.

इस युद्ध के बाद ही, डिज़रायली की बदली हुई नीति के कारण बाल्कन राज्यों की स्वतंत्रता हुई।रूसी विस्तार ने एक नया मोड़ लिया। इसके विस्तार को रोक दिया गया और मध्य एशिया की ओर स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ इसे विशाल प्रगति के साथ आगे बढ़ाया गया।